PRACTICE SET-4

1. ''मौसम आज कुछ सुहावना सा है।'' वाक्य में 'सुहावना' शब्द किसका परिचायक शब्द है?

a. क्रियाविशेषण **b.** विशेष्य

c. विशेषण **d.** संज्ञा

2. अग्र का विलोम शब्द ..... है।

a. पूर्व **b.** आगे

c. पश्च **d.** नीचे

3. ''घटा'' शब्द का बहुवचन रूप कौन-सा है?

a. घटाइया **b.** घटाएँ

c. घटाओं **d.** घटाए

4. महादेवी वर्मा का प्रथम काव्य संकलन कौन-सा है?

a. नीहार **b.** दीपशिखा

c. रश्मि **d.** नीरजा

5. 'वे तुम सम, तुम उन सम स्वामी' में अलंकार का कौन-सा रूप है?

a. भ्रांतिमान **b.** संदेह

c. उपमा **d.** रूपक

6. दिए गए विकल्पों में से अनुप्रास अलंकार का उचित उदाहरण पहचानिए।

a. सारंग ले सारंग चली

b. कानन कठिन भयंकर भारी

c. नवजीवन दो घनश्याम हमें

d. अब जीवन में नहीं जीवन है

7. 'कवि' शब्द किस शब्द का एकवचन है?

a. कविवृंद **b.** कवि समूह

c. कवि लोग **d.** कवि दल

8. 'मेरे को बाजार जाना है।' वाक्य में किस प्रकार की अशुद्धि है?

a. संज्ञा **b.** वचन

c. लिंग **d.** सर्वनाम

9. 'लकीर का फकीर' मुहावरे का शाब्दिक अर्थ क्या है?

a. पुरानी परिपाटी पर चलने वाला

b. सबसे अलग रहने वाला

c. बहाना बनाने वाला

d. बहुत घमंड होना

10. निम्न में से बेमेल शब्द है–

a. पेड़ **b.** पौधा

c. तना **d.** पत्थर

11. ''प्रथम विश्व हिंदी साहित्य सम्मेलन सन् ..... में ..... में आयोजित किया गया था।'' रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प कौन-सा है?

a. 1945, उदयपुर **b.** 1975, नागपुर

c. 1910, वाराणसी **d.** 1955, दिल्ली

निर्देश (12 से 14)– निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

नैतिकता हमारे लिए सामाजिक मानदंड उपस्थित करती है क्योंकि वह उचित और अनुचित का ज्ञान कराती है। नैतिक नियमों में चरित्र निर्माण की महत्ता पर जोर दिया जाता है और उन्हें मानने वाले कर्तव्य की भावना से प्रेरित होकर व्यवहार करते हैं। नैतिकता में न्याय, पवित्र औचित्य व दृढ़ता समाहित होती हैं। नैतिकता आत्म चेतना से प्रेरित होती है। नैतिकता का आधार मनुष्य के जीवन मूल्य होते हैं। नैतिकता आचार-शास्त्र के बहुत निकट है। नैतिकता से ही धर्म की अवधारणा भी संबंधित है। धर्म अक्सर नैतिक सिद्धांतों का समर्थन करता है। आवश्यक नहीं कि सभी प्रकार के नैतिक व्यवहारों की प्रकृति धार्मिक हो, कई नैतिकता धर्मनिरपेक्ष भी होती है।

12. गद्यांश में प्रयुक्त 'आचार' शब्द से क्या तात्पर्य है?

a. मनन **b.** तर्क

c. चिंतन **d.** व्यवहार

13. नैतिकता धर्म से संबंधित है, क्योंकि .....।

a. दोनों ही सामाजिक व्याख्यों से संबंधित हैं।

b. दोनों की उपेक्षा से मनुष्य डरता है।

c. नैतिकता और धर्म दोनों में अटूट रिश्ता है।

d. दोनों ही अलौकिक संसार से संबंध है।

14. नैतिकता है .....।

a. परम्पराएँ और रूढ़ियाँ **b.** कर्तव्य

c. धर्म **d.** आचार-शास्त्र

15. 'महान' का विपरीतार्थक शब्द क्या है?

a. वीर **b.** तुच्छ

c. धीर **d.** सज्जन

16. ''राजस्थान में अनेक बोलियाँ बोली जाती हैं।'' वाक्य में 'बोलियाँ' शब्द ..... है।

a. स्त्रीलिंग **b.** पुल्लिंग

c. बोली **d.** भाषा

17. 'लक्ष्मण' का एक अन्य पर्यायवाची शब्द ..... है।

a. लंकेश **b.** सुमित्रापुत्र

c. लोकेश **d.** नरेन्द्र

18. 'स्वास्थ्य से ..... समस्याओं के लिए हम दवाओं का सेवन करते हैं और कई उपाय ..... हैं।' रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प कौन-सा है?

a. निकली, निकालते **b.** कई, ढूंढते

c. संबंधित, नहीं **d.** जुड़ी, आजमाते

19. 'गरीब के घर में गुणवान व्यक्ति।' दिए गए विकल्पों में से इस अर्थ से संबंधित मुहावरा कौन-सा है?

a. अँधेरे घर का उजाला **b.** आँख का तारा

c. गुदड़ी का लाल **d.** अंधे की लकड़ी

20. भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा संपादित पत्रिका इनमें से एक नहीं है, पहचानिए।

a. बालबोधिनी **b.** हरिश्चेंद्र मैगजीन

c. आनन्द कादिम्बिनी **d.** कविवचन सुधा

21. निम्न विकल्पों में से कौन-सा 'सरोवर' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

a. तड़ाग **b.** शतदल

c. जलाशय **d.** सर

22. ''अलका सरावगी' को किस रचना के लिए हिंदी साहित्य अकादमी का पुरस्कार मिला?

a. एक लड़की

b. यारों के यार

c. कितना बड़ा झूठ

d. कलि कथा : वाया बाइपास

23. दिए गए विकल्पों में से सही वाक्य पहचानिए।

a. ईमानदारी मनुष्य का श्रेष्ठ गुण है।

b. ईमानदारी मनुष्य का श्रेष्ठ व्यवहार है।

c. ईमानदारी मनुष्य का श्रेष्ठ लक्षण है।

d. ईमानदारी मनुष्य का श्रेष्ठ आचरण है।

24. 'मेरी जेब में दस रुपये हैं।' वाक्य में प्रयुक्त काल कौन-सा है?

a. संदिग्ध वर्तमानकाल

b. पूर्ण वर्तमानकाल

c. संभाव्य वर्तमानकाल

d. अपूर्ण वर्तमानकाल

25. 'पत्ती' शब्द का बहुवचन रूप कौन-सा है?

a. पतियाँ **b.** पत्तिया

c. पत्ते **d.** पत्तियाँ

26. 'क्रय' का विपरीतार्थक शब्द पहचानिए।

a. खेद **b.** विक्रय

c. विक्रि **d.** खरीद

27. 'अगुआ बनकर ..... दिखाने वाला पथ-प्रदर्शक कहलाता है। रिक्त स्थान के लिए उचित शब्द का चयन करें।

a. मंजिल **b.** रास्ता

c. लक्ष्य **d.** स्थान

28. ''धावक तेज गति से दौड़ते हैं।'' वाक्य में 'तेज गति' क्रियाविशेषण का कौन-सा भेद है?

a. रीतिवाचक **b.** स्थानवाचक

c. परिमाणवाचक **d.** कालवाचक

29. दिए गए विकल्पों में से उचित एवं शुद्ध वाक्य पहचानिए।

a. शिक्षा पर आजकल बड़ा महत्व है।

b. आजकल शिक्षा पर बड़ा महत्व है।

c. आजकल शिक्षा को बड़ा महत्व दिया जा रहा है।

d. आजकल शिक्षा का बड़ा प्रचलन हैं।

30. 'मोहन पिताजी को पत्र लिख रहा है। वाक्य में क्रिया का ... ... भेद प्रयुक्त हुआ है।' रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प कौन-सा है?

a. सकर्मक **b.** नामधातु

c. प्रेरणार्थक **d.** अकर्मक

31. लौकिक संस्कृत, ... और ..... अपभ्रंश हिंदी भाषा का उचित विकास क्रम है। रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प कौन-सा है?

a. संस्कृत, प्राकृत

b. वैदिक भाषा और पाली

c. प्राकृत और पाली

d. पाली और प्राकृत

32. ''ईश्वर की माया .....'' लोकोक्ति को पूर्ण करने हेतु उचित विकल्प कौन-सा है?

a. कहीं धूप कहीं छाया

b. वो ही जाने

c. कहीं छाया कहीं धूप

d. सबसे न्यारी

33. 'व्यास' पुरस्कार से सम्मानित उपन्यास 'न भूतो न भविष्यति' किस लेखक की रचना है?

a. नरेंद्र कोहली **b.** कुंवर नारायण

c. रामदरश मिश्र **d.** नरेश मेहता

34. 'वह महिला बहुत विद्वान है।' वाक्य में किस प्रकार की अशुद्धि है?

a. लिंग **b.** संज्ञा

c. वचन **d.** कारक

35. हिंदी का मानक रूप किस भाषा से विकसित हुआ है?

a. खड़ी बोली **b.** अवधी

c. ब्रज **d.** मालवी

36. 'सप्ताह में सात दिन होते हैं।' प्रस्तुत वाक्य में 'दिन' शब्द .... है।

a. पुल्लिंग **b.** स्त्रीलिंग

c. उभयलिंग **d.** कुछ भी नहीं

37. दिए गए विकल्पों में से भ्रान्तिमान अलंकार का उदाहरण कौन-सा है?

a. सखि! मयंक तव मुख सम सुंदर

b. ओस-बिंदु चुग रही हंसिनी मोती उनको जान

c. हरिमुख मानोमधुर मयंक

d. तारे आसमान के है आये मेहमान बनि

38. अमीर खुसरो का वास्तविक नाम क्या था?

a. अब्दुल राही **b.** सुदर्शन

c. अबुल हसन **d.** शिवप्रसाद

39. इनमें से मैथिलीशरण गुप्त की रचना कौन-सी नहीं है?

a. रंग में भंग **b.** साकेत

c. भारत-भारती **d.** प्रिय प्रवास

40. 'विप्र' शब्द का समानार्थी है .....।

a. सहचर **b.** याचक

c. ब्राह्मण **d.** विधाता

41. जिस समास के पूर्व एवं उत्तर दोनों ही पद समान रूप से प्रधान हों, उसे कहते हैं–

a. तत्पुरुष समास **b.** बहुब्रीहि समास

c. द्विगु समास **d.** द्वन्द्व समास

42. 'प्रत्यक्ष' में संधि हैं–

a. गुण **b.** दीर्घ

c. अयादि **d.** यण

43. 'ओछे की प्रीति बालू की भीति' का भाव है–

a. बालू की दीवार कमजोर होती है।

b. ओछे लोग बालू की दीवार बनाकर रहते हैं

c. बालू की दीवार की भाँति ओछे लोगों का प्रेम अस्थायी होता है।

d. बालू ओछा पदार्थ होता है।

44. 'मुझे' किस प्रकार का सर्वनाम है?

a. उत्तम पुरुष **b.** मध्यम पुरुष

c. अन्य पुरुष **d.** इनमें से कोई नहीं

45. निम्नलिखित में से एक शब्द की वर्तनी अशुद्ध है–

a. उज्जवल **b.** कवयित्री

c. कवियित्री **d.** मोक्ष

निर्देश (46-50): नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।

समूची स्वार्थी व अहं-प्रेरित प्रवृत्तियाँ नकारात्मक हैं, ऐसे कर्मों में ऊँचे उद्देश्य नहीं होते, उनमें लोक-संग्रह नहीं होता, भव्य आदर्श नहीं होते। दूसरे, भले ही आप अपने सामने एक ऊँचा आदर्श रखें, तो भी आपके कर्म यदि आपके मन के चाहे या अनचाहे से प्रेरित हैं, तो वे ह्रासमान ही होंगे, क्योंकि पसन्द-नापसन्द से किए जाते कार्य वासनाओं को बढ़ाए बिना नहीं रहते। कोई कार्य आपको महज इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि वह आपको पसन्द है। उसी तरह कोई कार्य करने से आपको महज इस आधार पर नहीं कतराना चाहिए कि वह कार्य आपका मनचाहा नहीं है। कार्य का निर्णय बुद्धि-विवेक के आधार पर होना चाहिए, मनचली भावनाओं, तुनकमिजाजी के आधार पर कतई नहीं। इस एक बात को हमेशा याद रखिए कि पसन्द और नापसन्द आपके सबसे बड़े शत्रु हैं। आप इन्हें पहचानते तक नहीं। उल्टे आप पाल-पोसकर दुलारते हैं। वे तो हर क्षण आपकी हानि व ह्रास करने पर ही तुले हैं। इनसे निबटने का व्यावहारिक मार्ग यह है, कि अपनी रुचि और अरुचि का विश्लेषण करें।

46. कैसी प्रवृत्तियां नकारात्मक हैं?

a. जिनमें अर्थ का भाव हो

b. जिनमें अहं और स्व-हित का भाव हो

c. जो स्वयं का हित देखती हों

d. जो अंह से ग्रसित हों

47. कौन-से कार्य हानि की ओर ले जाते हैं?

a. जिनमें संग्रह अनुपस्थित होता है।

b. जिनमें संग्रह कूट-कूटकर भरा होता है।

c. जो मन के अनुसार और हित साधते है।

d. जो अपनी पसन्द-नापसन्द के आधार पर किए जाते हैं।

48. 'नकारात्मक' का विलोम शब्द है–

a. अननकारात्मक **b.** असकारात्मक

c. अनकारात्मक **d.** सकारात्मक

49. इस गद्यांश में किस प्रकार के कार्यों का समर्थन किया गया है?

a. जो बुद्धि और विवेक शक्ति के आधार पर किए जाते हैं।

b. जो मनचली भावनाओं और बुद्धि से परे होते हैं।

c. जो मनचाहे होते हैं।

d. जो मनचाहें नहीं होते हैं।

50. ''वे तो हर क्षण आपकी हानि व ह्रास करने पर ही तुले हैं।'' वाक्य में 'वे' सर्वनाम किसके लिए आया है?

a. स्वार्थ-प्रेरित प्रवृतियों के लिए

b. पसन्द नापसन्द के लिए

c. मनचली भावनाओं के लिए

d. अंह-प्रेरित प्रवृतियों के लिए

व्याख्या सहित उत्तर

1. c. ''मौसम आज कुछ सुहावना सा है।'' वाक्य में 'सुहावना' शब्द विशेषण है। यह मौसम (संज्ञा) की विशेषता बता रहा है।

2. c. 'अग्र' का विलोम शब्द 'पश्च' है।

3. b.

4. a. महादेवी वर्मा का प्रथम काव्य संकलन 'नीहार' है। इसके बाद उन्होंने दीपशिखा, रश्मि, नीरजा आदि काव्य-संग्रहों की रचना की।

5. c. 'वे तुम सम, तुम उन सम स्वामी' इस पंक्ति में उपमा अलंकार है। पंक्ति में दो व्यक्तियों में समानता का बोध कराया गया है, जिसके लिए कवि ने 'सम' शब्द का प्रयोग किया है।

6. b. जहाँ पंक्ति में वर्णों की आवृत्ति होती है, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है। विकल्प **b.** में 'कानन कठिन भयंकर भारी' में 'क', 'न', 'र' एवं 'भ' वर्ण की आवृत्ति बार-बार हो रही है। अत: इसमें अनुप्रास अलंकार है।

7. a.

8. d. 'मेरे को बाजार जाना है।' इस वाक्य में सर्वनाम संबंधी अशुद्धि है। प्रस्तुत वाक्य में 'मेरे को' के स्थान पर 'मुझे' सर्वनाम का प्रयोग होना चाहिए।

9. a. 10. d. 11. b. 12. d. 13. a. 14. d.

15. b. 'महान' का विपरीतार्थक शब्द 'तुच्छ' होता है। सज्जन का विलोम दुर्जन, वीर का विलोम कायर और धीर का विलोम अधीर होता है।

16. a.

17. b. 'लक्ष्मण' के पर्यायवाची सुमित्रापुत्र, लखन, शेषावतार, रामानुज, सौमित्र आदि हैं।

18. d. 19. c.

20. c. 'आनन्द कादिम्बिनी' पत्रिका का संपादन बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा किया गया था। भारतेन्दु हरिश्चंद्र द्वारा संपादित पत्रिकाएँ बालबोधिनी, हरिश्चंद्र मैगजीन और कविवचन सुधा हैं।

21. b. जलाशय, सर, तालाब, पुष्कर आदि सरोवर के पर्यायवाची हैं, जबकि शतदल कमल का पर्यायवाची है।

22. d. 'कलि कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के लिए वर्ष 2001 में अलका सरावगी को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2019 के साहित्य अकादमी पुरस्कार से नंद किशोर आचार्य को उनकी कविता 'छीलते हुए अपने को' के लिए सम्मानित किया गया।

23. a.

24. b. प्रस्तुत वाक्य में 'पूर्ण वर्तमानकाल' है। जिस वाक्य से वर्तमानकाल में कार्य के पूर्ण होने का बोध होता है, उसे पूर्ण वर्तमानकाल कहा जाता है।

25. d.

26. b. 'क्रय' का विलोम शब्द 'विक्रय' है। 'खरीद' का विलोम 'बिक्री' और 'खेद' का विलोम 'हर्ष' है।

27. b.

28. a. 'प्रस्तुत वाक्य में 'तेज गति' रीतिवाचक क्रिया विशेषण है। जिन क्रियाविशेषणों से क्रिया के घटित होने की विधि या रीति का बोध होता है, वे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

29. c.

30. a. 'मोहन पिताजी को पत्र लिख रहा है।' इस वाक्य में सकर्मक क्रिया है, क्योंकि लिखना' क्रिया का प्रभाव 'पत्र' कर्म पर पड़ रहा है।

31. d. 32. a.

33. a. 'न भूतो, न भविष्यति' उपन्यास के लेखक नरेन्द्र कोहली हैं।

34. a. प्रश्नगत वाक्य में लिंग सम्बन्धी अशुद्धि है। वाक्य में महिला के साथ प्रयुक्त पुल्लिंग शब्द 'विद्वान' के स्थान पर स्त्रीलिंग शब्द 'विदुषी' का प्रयोग होना चाहिए।

35. a. 36. a.

37. b. जब सादृश्य के कारण उपमेय में उपमान का भ्रम हो और उपमेय को उपमान समझ लिया जाए, तब वहाँ भ्रांतिमान अलंकार होता है। प्रस्तुत पंक्ति में हंसिनी को 'ओस-बिंदु' में 'मोती' की भ्रांति हो रही है।

38. c. अमीर खुसरो का वास्तविक नाम 'अबुल हसन यामिनुद्दीन खुसरो' था। इनका जन्म 1253 ई. में उत्तर प्रदेश के वर्तमान कासगंज के पटियाली नामक स्थान पर हुआ था। इन्होंने खालिकबारी, हालात-ए- कन्हैया, नजराना-ए-हिन्दी आदि कृतियों की रचना की।

39. d. 'प्रिय प्रवास' अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है। मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएँ रंग में भंग, साकेत, भारत-भारती, पंचवटी, यशोधरा आदि हैं।

40. c.

41. d. जिस समास के पूर्व एवं उत्तर दोनों ही पद समान रूप से प्रधान हों उसे द्वन्द्व समास कहते हैं। इसका विग्रह करने के लिए दो पदों के बीच 'और' अथवा 'या' जैसा योजक अव्यय लिखा जाता है। जैसे-राम-लक्ष्मण। द्वन्द्व समास तीन प्रकार का होता है-(1) इतरेतर द्वन्द्व (2) समाहार द्वन्द्व (3) वैकल्पिक द्वन्द्व। जिस समास का अन्तिम पद प्रधान हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय और दूसरा पद संज्ञा होता है।

42. d. 43. c.

44. a. बोलने वाले वक्ता को 'उत्तम पुरुष' कहा जाता है। जैसे-मै, हम परन्तु सर्वनाम में कारकों की विभक्तियाँ लगाने से इसके रूप में विकृति आ जाती है। जैसे-मैं-मुझे, मेरा, मुझसे, मुझको आदि। अत: 'मुझे' उत्तम पुरुष का सर्वनाम है।

45. c.

46. b. ऐसी प्रवृत्तियाँ जो स्वार्थी एवं अंह-प्रेरित होती हैं तथा जिनमें सदैव चाहा अनचाहा का भाव निहित होता है, नकारात्मक प्रवृत्तियाँ कहलाती है।

47. d. ऐसे कार्य जो अपने मन की रुचि और अरुचि के आधार पर सम्पन्न किए जाते हैं, सदैव ह्रासमान अर्थात् हानि की ओर ले जाते हैं।

48. d. नकारात्मक का विलोम सकारात्मक होता है।

49. a. प्रस्तुत गद्यांश में ऐसे कार्यों को करने के लिए कहा गया है, जो अपनी बुद्धि एवं विवेक के निर्णय से किए जाते हैं, न कि मन के चाहने या न चाहने के आधार पर।

50. b. गद्यांश के अनुसार, कार्य के पसन्द या नापसन्द के भाव व्यक्ति के हानि व ह्रास पर तुले रहते हैं। अत: प्रश्न में पूछे गए सर्वनाम 'वे' का प्रयोग पसन्द व नापसन्द के लिए किया गया है।

❑❑❑